Swami Samarth Tarak Mantra Pdf

निःशंक हो, निर्भय हो, मनारे
प्रचंड स्वामीबल पाठिशी रे
अतर्क्य अवधूत हे स्मर्तु गामी
अशक्य ही शक्य करतील स्वामी ॥ १ ॥

जिथे स्वामीपाय तिथे न्यून काय
स्वये भक्त प्रारब्ध घडवी ही माय
आज्ञेविना काल ना नेई त्याला
परलोकिही ना भीती तयाला ॥ २ ॥

उगाचि भीतोसि, भय हे पळू दे
जवळी उभी स्वामीशक्ती कळू दे
जगी जन्ममृत्यू असे खेळ ज्याचा
नको घाबरू तू असे बाल त्यांचा ॥ ३ ॥

खरा होई जागा तू श्रद्धेसहीत
कसा होशी त्यावीण तू स्वामिभक्त
कितीदा दिला बोल त्यांनीच हात
नको डगमगू स्वामी देतील साथ ॥ ४ ॥

विभूती नमन नाम ध्यानादि तीर्थ
स्वामीच या पंच प्राणामृतात
हे तीर्थ घे,घेआठवी रे प्रचीती
न सोडी कदा स्वामी ज्या घेई हाती ॥ ५ ॥

॥ भिऊ नकोस, मी तुझ्या पाठीशी आहे ॥

BeingHindi.in

Tarak Mantra in English

Be doubtless, Be fearless, Remember oh mind.

That Swami's Strength is always there.

Beyond comprehension, transcending the states,

Just think of Him and He is there,

And not to forget that,

To turn the impossible into possible is just His play. ।1।

What scarcity can ever be there,

Where His holy feet touch the place.

He himself will remake Thy destiny,

For he is the loving mother who cares.

Without His command death will not touch Thee,

Nor should you dread and fear the unseen. ।2।

Causeless fear that you have, let it flee,

And feel the power of Swami embracing Thee.

For Him, death and birth are mere play,

Do not fear, for you are His child beloved. ।3।

BeingHindi.in

Awake to reality and have implicit faith in Him

For without these how can you ever be in His team,

Recollect the past and remember the Grace,

He is the one who offered you help.

Do not falter, for HE will be there. ।4।

Vibhuti, Obeisance, Chanting His Name,

Meditation and the Water of grace,

Divine Swami always dwells in them,

For devotion, these five are but the best.

Take this Holy water and remember the help

For He never ever leaves the hand that He takes. ।5।

BeingHindi.in

Tarak Mantra in Hindi

निर्भय बनो, निर्भय बनो, स्मरण करो हे मन।
उस स्वामी की शक्ति हमेशा रहती है।
समझ से परे, राज्यों से परे,
केवल उसके बारे में सोचो और वह वहां है,
और यह नहीं भूलना चाहिए,
असम्भव को सम्भव में बदलना ही उनका खेल है। 1

क्या कमी रह सकती है,
जहां उनके पावन चरण स्पर्श करते हैं।
वह स्वयं तेरी नियति का पुनर्निमाण करेगा,
क्योंकि वह प्यार करने वाली माँ है जो परवाह करती है।
उसकी आज्ञा के बिना मृत्यु तुझे स्पर्श नहीं करेगी,
न ही तुम्हें परोक्ष से डरना और डरना चाहिए। 2

आपके पास अकारण भय है, इसे भागने दो,
और स्वामी जी की शक्ति को अपने आलिंगन में महसूस करो।
उसके लिए मृत्यु और जन्म मात्र खेल है,
डरो मत, क्योंकि तुम उसके प्यारे बच्चे हो। 3

वास्तविकता के प्रति जागो और उस पर पूर्ण विश्वास रखो
इनके बिना आप कभी भी उनकी टीम में कैसे हो सकते हैं,
अतीत को याद करो और अनुग्रह को याद करो,
उन्होंने ही आपको मदद की पेशकश की थी।
डगमगाओ मत, क्योंकि वह वहां होगा। 4

विभूति, प्रणाम, उनका नाम जपना,
ध्यान और अनुग्रह का जल,
दिव्य स्वामी सदा उनमें निवास करते हैं,
भक्ति के लिए ये पांच ही श्रेष्ठ हैं।
इस पवित्र जल को लें और सहायता को याद करें
क्योंकि जो हाथ वह लेता है, उसे वह कभी नहीं छोड़ता। 5

Beinghindi.in